







संपादकीय

सुखते जलाशय और बढ़ती मुश्किलें

**री** हीरो नियोजन की ओर्डर में अकार बहुत गारे प्राकृतिक जलाशय पहले ही आमा अस्तित्व खो उके हैं, अब बेचुबुध सरकारी जलाशयों पर जलाशय परिवर्तन का प्रयोग पड़ा हुआ हो उका है। केंद्रीय जल आयोगी तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के डेंड सो प्रमुख जलाशयों का स्तर घट कर महज इकाईस फीसद रह गया है। भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक दक्षिण भारत के जलाशयों पर देखा गया है, जहां बायांस जलाशय हैं और उनमें जल की मात्रा घट कर सोनाल फीसद तक रह गई है। दिल्ली, प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के दस जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का अद्वितीय फीसद जल रह गया है। यही हाल पूर्वतर के डेंड सो प्रमुख जलाशयों का है, जिसमें उनकी कुल भंडारण क्षमता का करीबी साथ सोनाल फीसद रह गया है। इसे लेकर जल आयोगी की वित्त खालीक है। पहले ही दरसात कम होने की वित्त खालीक का पुनर्वर्णन संतोषजनक स्तर तक नहीं पहुंच पाया था, फिर पहाड़ी पर बर्छ कम प्रयोग के कारण फहाड़ी दिल्ली के जलाशयों में पानी का स्तर लाजार घट रहा है। प्राकृतिक जलाशय अनेक शहरों के लिए पेयजल उत्पादन का प्रमुख स्रोत है। मारा सम्पुर्ण रखरखाव और उनके जलाशयों का संरक्षण न हो पानी की वजह से उनमें बरसात का पानी भी सम्पुर्ण रूप में नहीं पहुंच पाता। जलाशयों में बरसात का पानी तभी इनको से पहुंचता है, मारा जब बाहर बरसता वास जाती है, तो उनका जलाशय बहिर्भवित होता है। बहुत सारे जलाशयों का जल स्तर इसलिए भी घट रहा है। दूसरी साथ सोनाल फीसद योग्य वर्षों से तापानन में लाजार खुदी और बरसात का असरुत होता ही है।

गर्मी की अवधि लंबी होने से पेयजल और दूसरे उपयोग के लिए पानी की खपत बढ़ रही है। ऐसे में जलाशयों का स्तर घटते जाने से उपर प्रभाव शहरों और बसियों में जलांखंड बढ़ने की आशंका गहरायी लगी है। तब समय से सलाह दी जाती रही है कि प्राकृतिक जलाशयों के रखरखाव और उनके जलाशयों की आवधि बाहर रखने की योजना बनानी होती। दरसात का पानी उन तक पहुंचता रहे और उनमें गांद गौरी की साफाई होती रहे, तभी उनके पुनर्वर्णन की सभावना बनेगी।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.8% पर बढ़ाकर्दार दर दिया



नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने सोमावार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बढ़कर रखा और बढ़ाकर्दार का अनुमान लगाया था। एक अन्ने रेटिंग एजेंसी ने लिए कर्म करने के लिए यात्रा वित्त वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एक अन्ने रेटिंग एजेंसी ने लिए कर्म करने के लिए यात्रा वित्त वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पर्यावारिक विकास वैकं जो अनुमान है कि भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज रेटिंग्स और डेलॉर्ट इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। ऊंचाई विकास वैकं जो अनुमान है कि भारत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

चीन के लिए, एसएंडपी ने अपने 2024 के सकल घेरेल उत्पाद की वृद्धि का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया, लेकिन दूसरी तिमाही में इसके क्रमिक मंदी आ लापेंगे। अनुमानों में कहा गया है कि खपत में नरमी और विनिर्माण क्षेत्र में यजूद निवेश का असर कीमतों और लाभ मार्जिन पर पड़ेगा।

वित्त वर्ष 2025 के लिए एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तुलना में कम है। आरबीआई ने इस महीने की शुरूआत में अपने वित्त वर्ष के साथ भारत की आधिक वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए, एसएंडपी ने क्रमशः 6.9 और 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

वित्त वर्ष 2025 के लिए एसएंडपी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तुलना में कम है। आरबीआई ने इस महीने की शुरूआत में अपने वित्त वर्ष के साथ भारत की आधिक वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत रह जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए, एसएंडपी ने क्रमशः 6.9 और 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉर्मशियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद  
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)  
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

ग्रिय पाठकों, आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करें।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MuO 09899655497  
Email: currentcrimenews@gmail.com  
Website: www.currentcrimenews.com

सूचना : मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए जी एस। पलिकेशन, एफ-23, सेक्टर-6, नोएडा-201301 (गोतमगढ़नगर) उत्तर प्रदेश से छपाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मोनोज कुमार  
समाचार संसाधन दीक्षित भाटी

# घट जाएंगी तेल की कीमतें, जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा हुआ तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आ सकती है। पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी में शामिल करने से न सिर्फ तेल कंपनियों को इनकट पर चुकाया गए कर को कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि देशभर में इंधन पर टैक्स में एक रुपया आपाएँ। इसका मतलब है कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल लगाव एक ही कीमत पर उपलब्ध होगे।

दरअसल, जीएसटी परिवर्तन की 53वीं बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सींहरामन ने कहा, केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए तैयार है। अब जर्जने वाले लगाव एक ही कीमत पर उपलब्ध होगा।



को इस बारे में फैसला लेना है और साथ मिलकर इसकी दूर तय करनी है। अगर जीएसटी दर पर शहरीत बन जाती है और पेट्रोलियम उत्पादों पर सर्वाधिक 28 फीसदी कर लगाया

जाता है तो भी आम लोगों को पेट्रोल पर 19.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 12.83 रुपये प्रति लीटर की वारत मिलेगी। हालांकि, इससे सरकारों को कर के रूप में होने वाली कमाई पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर बिंदूर बिंदूर विचार कर रहा है। जबकि डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर आधार पर जीएसटी लगाया जाना वाला रुपये पर लगाया जाएगा।

एक लीटर पेट्रोल पर 35.29 रुपये का टैक्स : अगर एक लीटर पेट्रोल खरीदते हैं तो 94.72 रुपये

चुकाते हैं। इसमें से कुल 35.29 रुपये कर लगता है, जिसमें 19.90 रुपये एसडीज इटूटी और 15.39 रुपये वैट शामिल हैं। एसडीज इटूटी कंपनी की ज्ञाता है, जबकि वैट राज्य सरकार वसूलती है। इसी प्रकार, 87.62 रुपये में एक लीटर डीजल खरीदने पर कुल 28.62 रुपये कर लगता है। इसमें एसडीज इटूटी की हिस्सेदारी 15.80 रुपये और वैट की 12.82 रुपये है।

जीएसटी भुगतान से पहले जीएसटीआर-1 में संशोधन संभव : जीएसटी करदाताओं के पास अब मार्शिक या तितारी करों के भुगतान से पहले बाहरी आर्डूती विकार करने का विकल्प होगा।

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घेरेल शेरवार वाजार में कमज़ोर शुरूआत के बावजूद हरे निशान पर करोजिंग हुआ। उतार-चाढ़ाव भरे कारोबार के साथ बद्द हुए। सेक्टरवार शेरवारों की बात करें तो अंटी सेक्टर के शेरवार 0.9% जबकि एफएमसीजी सेक्टर के शेरवार 0.72% की बढ़त के साथ बद्द हुए।

सेक्टरवार के शेरवारों में 17 शेरवार बढ़त के साथ बद्द हुए। इनमें बांद्राएंड महांदा, यावर ग्रिड, सन कामी और नेसले इंडिया के शेरवार शामिल थे। दूसरी ओर, इंडियन बैंक, अपारी पोर्सन, टाटा स्टील और रिपोर्टर के शेरवार के साथ बद्द हुए।

निपटी आइटी, मेटल, पांस्यू बैंक और जारी नियावट के साथ बद्द हुए। व्यापक बाजार में कमज़ोर वार्षिक ग्राही गई है। उतार-चाढ़ाव भरे कारोबार दिया। निपटी मिडिकैप 100.27% मज़बूत हुआ। दूसरी ओर, इंडियन बैंक की शेरवार के साथ बद्द हुए।

सेक्टरवार के शेरवारों में 17 शेरवार बढ़त के साथ बद्द हुए। व्यापक बाजार में कमज़ोर वार्षिक ग्राही गई है। उतार-चाढ़ाव भरे कारोबार दिया। निपटी मिडिकैप 100.27% मज़बूत हुआ। दूसरी ओर, इंडियन बैंक की शेरवार के साथ बद्द हुए।

निपटी आइटी, मेटल, पांस्यू बैंक और जारी नियावट के साथ बद्द हुए। सेक्टरवार शेरवारों की बात करें तो अंटी सेक्टर के शेरवार 0.9% जबकि एफएमसीजी सेक्टर के शेरवार 0.72% की बढ़त के साथ बद्द हुए।

</







